रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया
(भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आदेश प्राप्त
एक मात्र संगठन)
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक इसके स्वयं सदस्य बनें एवं सदस्यता हेतु अभियान चलायें।

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 • अंक – 22 एवं 23 • कानपुर 1 से 15 दिसम्बर 2025 • प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

हर सफ़लता के पीछे होती है कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और पक्का इरादा–इदरीसी

इतिहास बताता है कि कर्मों से ही व्यक्ति महान बनता है यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के महान चिकित्सक डा0 नन्दलाल सिन्हा की 137वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में डा0 एम0 एच0 इदरीसी चेयरमैन, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने प्रशासनिक कार्यालय कानपुर में आयोजित कायक्रम में व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने कहा कि जो व्यक्ति महान होते हैं उनकी महानता के पीछे उनके किये गये कार्य ही होते हैं और यदि वह कार्य जनहित में किये गये होते हैं तो सदियों तक उन्हें याद किया जाता है, ऐसा नहीं है कि स्व0 नन्दलाल सिन्हा के पहले इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कार्य नहीं हुआ था पहले भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में योग्य व महान चिकित्सकों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए अपने–अपने समय में कार्य किये हैं जिनमें से डा0 एस0 पी0 श्रीवास्तव, डा0 बलदेव प्रसाद सक्सेना, डा0 वी0 एम0 कुलकर्णी आदि (सभी महान यशस्वी) के नाम आज भी प्रमुखतः से लिये जाते हैं।

देखा जाये तो डा0 सिन्हा ने अपनी एक अलग पहचान बनाई उन्होंने कैंसर जैसे असाध्य रोग पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दावेदारी बतायी, साथ–साथ रोगियों को लाभ भी दिया कुष्ठ जैसे गम्भीर रोग पर भी डा0 सिन्हा ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता सिद्ध की, डा0 इदरीसी ने अतीत को स्मरण करते हुए बताया कि स्व0 सिन्हा के काम करने का ढंग अलग ही था वह बहुत विश्वासपूर्वक इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर भरोसा करते थे, 19वीं शताब्दी में कैंसर के नाम से लोग काँपते थे, कैंसर जानलेवा बीमारी हुआ करती थी, आज की तरह उत्कृष्ट मशीनें नहीं थीं और न ही कीमोथेरेपी का जन्म हुआ था, कोबाल्ट और रेडियम की किरणों से रोगियों के रोगग्रस्त स्थान पर सिकाई की जाती थी, बात 1973–74 की है जब कानपुर जैसे शहर में डा0 सिन्हा की बड़ी–बड़ी होर्डिन्गें लगा करती थीं जिनमें हाथ का पंजा बना होता था बांई तरफ़ और दांई तरफ़ लिखा होता था ठहरिए ! कोबाल्ट और रेडियम रेज़ लगवाने से पहले कैंसर रोगी मिलें !! यह यहाँ पर लिखने का आशय यह है कि डा0 सिन्हा मान्यता से ज़्यादा काम करने पर ध्यान देते थे उनका मानना था कि काम बोलता है, उनका मानना था कि मान्यता मांग कर नहीं मिलती है कार्य के परिणामों से मिलती है इसका जीता जागता उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत भी किया, सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता की जाँच करने के उद्देश्य से उ0 प्र0 सरकार ने डा0 नन्दलाल सिन्हा को कुछ कुष्ठ रोगियों के ऊपर इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियों का प्रयोग कराया, जिसके परिणाम अच्छे आये इस प्रकार से डा0 एन0 एल0 सिन्हा ने सरकार को विवश करा दिया कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता को स्वीकारे, इसी का परिणाम था कि 27 मार्च, 1953 को अर्धशासकीय पत्र जो प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जारी किया था, यह पत्र सिद्ध करता है कि कार्य की महत्ता श्रेष्ठ है, दुर्भाग्य से आज कार्य के स्थान पर माँगों पर ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है, मान्यता एक ऐसा मुद्दा बना दिया गया है और ऐसा वातावरण तैयार कर दिया गया है कि जैसे बिना मान्यता के कार्य ही नहीं किया जा सकता है, जबकि सत्य यह है कि पहले की तुलना में आज कार्य करने में ज़्यादा आसानी है, औषधियों की उपलब्धता भी बढ़ी है माँग और पूर्ति का अनुपात लगभग बराबर है, फिर भी कार्य के प्रति लोगों की रूचि नहीं है, परिस्थितयां अब बदल चुकी हैं मान्यता देने और लेने का मुद्दा पुराना हो गया है, मान्यता शब्द से ही सरकार घबड़ाने लगी है, वर्तमान समय की मांग है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड का गठन किया जाये यह मांग देश के हर कोने से होनी चाहिये सरकारी बोर्ड से पढ़कर निकलने वाले स्टूडेन्टस स्वयं मानयता प्राप्त चिकित्सक कहलायेंगे हमें आशा है कि एक न एक दिन सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड अवश्य गठित करेगी, आपको बता दें कि डा0 नन्दलाल सिन्हा का जन्म 30 नवम्बर, 1889 को हुआ था और सम्पूर्ण देश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक 30 नवम्बर का दिन सिन्हा जयन्ती के रूप में मनाता हैं।

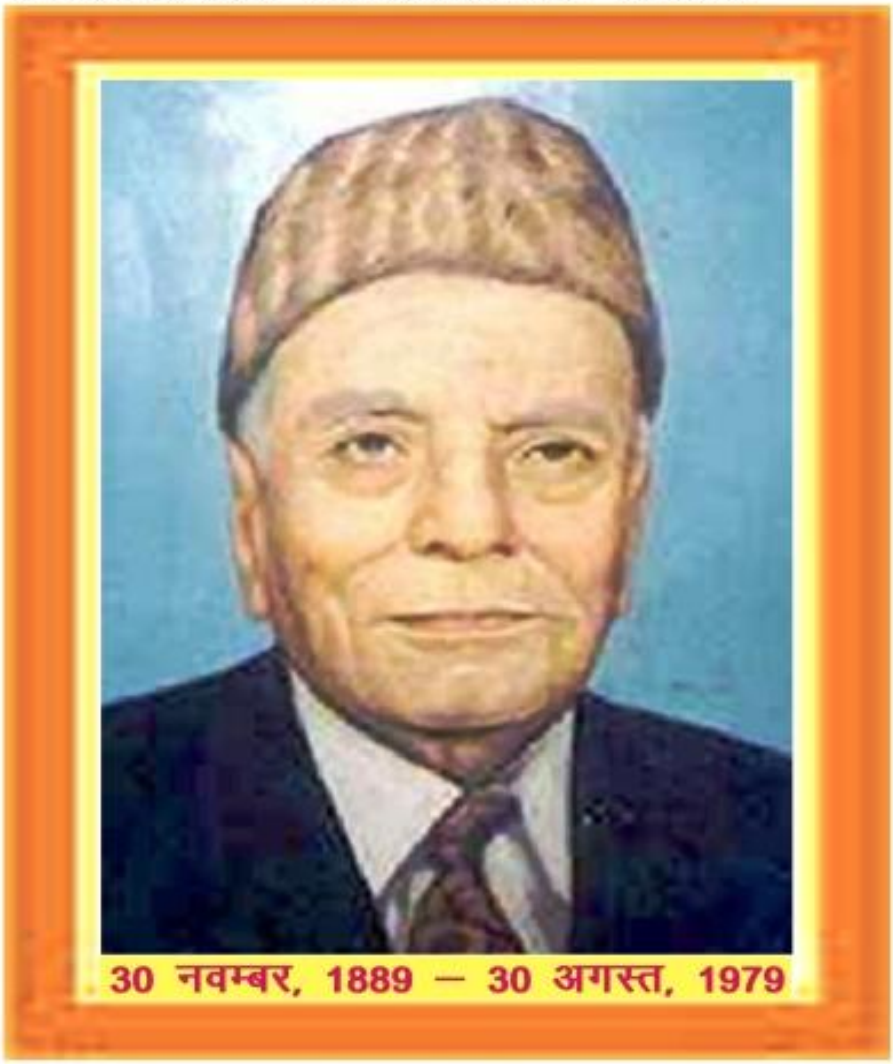

30 नवम्बर, 1889 – 30 अगस्त, 1979

इसी प्रकार का कार्यक्रम बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लखनऊ कार्यालय में भी आयेजित किया गया इस बार यह कार्यक्रम पूर्व संध्या में आयोजित किया गया इस अवसर पर डा0 अतीक अहमद ने कहा कि डा0 इदरीसी जी ने जो वास्तविक दृश्य प्रस्तुत किये हैं निःसन्देह उस पर चलकर ही सफ़लता अर्जित की जा सकती है, भावनाओं के लिए स्थान तो है लेकिन कर्तव्यों पर भावनायें हावी नहीं होनी चाहिये, हर व्यक्ति को अपनी योग्यता का मान होता है, हर चिकित्सक को अपनी क्षमतानुसार चिकित्सा करनी चाहिये यदि कार्य में कोई कठिनायी आये तो अपने से वरिष्ठ चिकित्सक से पूछने में कोई परहेज़ नहीं करना चाहिये, एक दूसरे से पूछने में ज्ञानवृद्धि ही होती है, कोई छोटा बड़ा नहीं होता है, हमें किसी अन्य चिकित्सा पद्धति से स्वयं की तुलना नहीं करनी चाहिये, हम जिस पद्धति के हैं उसी पर गर्व करते हैं और गर्व से कार्य करना चाहिये, आज की आवश्यकता कार्य को प्रमुखतः देने की है कल अच्छे परिणाम आपको प्रतिफल देंगे, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि परिस्थितियां लाख बदल जायें परन्तु कार्य की गति नहीं बदलनी चाहिये क्योंकि परिस्थितियां समय के वशीभूत होती हैं लेकिन कार्य मनुष्य के अधीन होता है इलेक्ट्रो होम्योपैथी का यह एक दुःखद पहलू है कि यहां पर कामनायें तो हर एक व्यक्ति करता है लेकिन कामना की पूर्ति के लिए जो आवश्यक कार्य हैं उनसे विरत रहता है, हमें कार्य संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा, ऐसे संस्कारों को जन्म देना होगा जो कार्य को प्रमुखता दें, सिन्हा जयन्ती की सार्थकता मात्र फूल माला चढ़ाकर रस्म अदायेगी से नहीं होनी चाहिये अपितु कार्य करके होनी चाहिये, मान्यता के भूत से ऊपर उठकर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये सरकारी बोर्ड के गठन हेतु प्रयास देश के हर कोने से होना चाहिये।

कार्यक्रम का समापन करते हुये डा0 अतीक अहमद ने कहा कि मेरा सुझाव है कि हर चिकित्सक को चाहिये कि वह अपने पंजीकरण को ठीक करा ले और अपने क्लीनिक के बाहर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक का स्पष्ट बोर्ड लगाये, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों का ही प्रयोग करें और इन्हीं औषधियों से रोगी की चिकित्सा करे, एक बात और है प्रदेश में वैधानिक रूप से चिकित्सा करने के लिए ज़िला पंजीयन अवश्य करायें।

कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया जिसमें डा0 संजय द्विवेदी, मो0 नसीम इदरीसी, आदि ने अपने–अपने विचारों से उपस्थित चिकित्सकों से तालियां बटोरी।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की राह

इतनी आसान नहीं जैसा समझा जा रहा है

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सम्बन्ध लगभग पिछले सात–आठ वर्षों से भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के साथ बना हुआ है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित अन्तर विभागीय समिति (IDC) में अग्रणी की भूमिका निभा रही है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के साथ सामांजस्य बनाने में पिछड़ गयी है जिसके कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जो अवसर मिल सकता था वह नहीं प्राप्त हो सका क्योंकि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) निरन्तर अपने गठन से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विभिन्न स्तरों पर परीक्षण कर रही है और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उत्पत्ति एवं विकास के बारे में उसके पास अनेक सूचनायें भी उपलब्ध हैं, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) का यह मत प्रतीत होता है कि वह अब यह चाहती है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शैक्षिक गतिविधियों एवं औषधि निमार्ण के विषय में उसे जानकारी उपलब्ध करा दी जाये तो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करने में अपनी संस्तुति सरकार को कर देगी।

सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए अभी भी सकारात्मक है सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को बहुत कुछ देना चाहती है पर जो वांछित जानकारियां हैं उन्हें हम अलग अलग रूपों में प्रस्तुत करेंगे तो सरकार क्या करेगी ? भारत सरकार ने बार बार यह स्वीकारा है कि जब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भारत सरकार द्वारा मान्यता नहीं प्रदान की जाती है तब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालन में किसी तरह की कोई बाधा नहीं है भारत सरकार ने बार बार स्वीकारा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के सम्बन्ध में भारत सरकार का स्टैण्ड 21 जून, 2011 अभी भी है, आप सबको ज्ञात ही होगा कि भारत सरकार द्वारा निर्गत 21 जून, 2011 का आदेश पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मजबूती प्रदान कर रहा है और इलेक्ट्रो होम्योपैथी को लगातार आगे बढ़ा भी रहा है।

जो कुछ घटनायें घट रही हैं वह हमें कुछ नई सम्भावनाओं की तरफ निरन्तर इंगित कर रही हैं, सम्भावनायें कभी सामाप्त नहीं होती हैं एक सम्भावना खत्म होती है तो नई सम्भावना जन्म ले लेती है परन्तु यह सम्भावनायें तभी तक जीवित हैं जब तक हमारी मानसिक स्थिति सकारात्मक रहेगी, सकारात्मक विचारधारा से किया हुआ कार्य सदैव फलदायी होता है जिस फल के पाने की हमारे साथी वर्षों से प्रतीक्षा कर रहे हैं वह फल अब उन्हें मिल ही जाना चाहिये, प्रतीक्षायें जब बहुत लम्बी हो जाती हैं तो आशायें टूटने लगती हैं और निराश व्यक्ति कभी भी बहुत अच्छे परिणाम नहीं देते।

तमाम बिन्दुओं एवं विभिन्न पहलुओं पर चिन्तन करने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भविष्य अब तभी उज्जवल होगा, जब हमारे नेतागण अपने विचारों में एक रूपता लायेंगे, हठधर्मिता से काम चलने वाला नहीं है, आप ही सबकुछ सत्य कह रहे हैं बाकी सबलोग गलत, इस विचार धारा से हमारे साथियों को उबरना होगा क्योंकि अब वह समय नहीं रहा है कि आपकी हेकड़ी चले, यह लोकतन्त्र है, लोकतन्त्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है परन्तु स्वतन्त्रता की आड़ में किसी को अनुचित व्यवहार करने का अधिकार नहीं होता है इसलिए परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए वही कार्य करना चाहिये जो समय के अनुरूप हो और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में हो।

परिस्थितियों को बदलते, समय नहीं लगता है परन्तु परिस्थितियों को विपरीत स्थिति में जाने से रोकने के लिए हम समय रहते प्रयास तो कर ही सकते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (EHMAI) के तत्वाधान में गुजरात राज्य परिषद का अधिवेशन सफ़लता पूर्वक सम्पन्न

इहमाई ने DR. R.K. Sharma को गुजरात राज्य का प्रभारी बनाकर पूरे अधिवेशन पर रखी नज़र

भारत सरकार के आदेश संख्या R. 14015/ 25/96-U&H(R) (Pt) दिनांक 25 नवम्बर, 2003 गुजरात राज्य में प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिये ठोस रणनीति बनी

गुजरात सरकार से सरकारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक बोर्ड गठित करने की ज़ोरदार माँग

विस्तृत समाचार व छाया चित्र पेज 3 व 4 पर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के तत्वाधान में

गुजरात राज्य परिषद का अधिवेशन

सफ़लता पूर्वक सम्पन्न

पेज 2 से आगे

1—गुजरात राज्य के प्रभारी EH डा0 राकेश शर्मा अधिवेशन को सम्बोधित करते हुये, 2— अधिवेशन के सदस्यगण EH डा0 राकेश शर्मा को बुके देते, 3— मीडिया को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वर्तमान स्थिति बताते हुये EH डा0 राकेश शर्मा, 4, 5, एवं 6, गुजरात राज्य अधिवेशन के पदाधिकारियों के साथ स्मरणीय पलों को कैमरे ने कैद कर लिया, 7—डा0 सुन्दर सिंह चौहान अधिवेशन में आये हुये सदस्यों को सम्बोधित करते हुये, 8 —गुजरात राज्य के प्रभारी EH डा0 राकेश शर्मा को बिदाई देते गुजरात राज्य के पदाधिकारीगण।

सम्बंधित समाचार पेज 4 पर

गुजरात राज्य परिषद का अधिवेशन .....पेज 3 से आगे

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की प्रैक्टिस पर कोई रोक नहीं यह विचार गुजरात राज्य के प्रभारी ई0एच0 डा0 राकेश शर्मा ने व्यक्त किए, डा0 शर्मा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी आदेश दिनांक 25 नवम्बर, 2003 एक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा के लिए लाइसेंस है जिसके अनुसार बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया सम्पूर्ण भारत और प्रत्येक राज्य में शिक्षा, चिकित्सा और अनुसधान का कार्य करती है, शिक्षण संस्थान में समान अवधि के समान पाठ्यक्रम संचालित करती है और पंजीकृत कर चिकित्सा का अधिकार देती है, डा0 शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों और गणमान्य लोगों द्वारा उत्पन्न शंका का समाधान करते हुए एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 इदरीसी जी की इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के प्रति कार्यप्रणाली की भूरि भूरि प्रसंशा की।

डा0 राकेश शर्मा द्वारा घोषणा की गयी कि 25 नवम्बर को गुजरात प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन का अधिवेशन सूरत के एक होटल में सम्पन्न हुआ, अधिवेशन में एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय डा0 एम0एच0 इदरीसी द्वारा जारी मनोनयन पत्र जिसमें ई0एच0 डा0 अब्दुल रहमान खान को राज्य का चेयरमैन, ई0एच0 डा0 गोविंद बोरोले को जनरल सेक्रेटरी तथा ई0एच0 डा0 अकीला रफीक को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है, कार्यक्रम का प्रारम्भ अधिवेशन के मुख्य अतिथि सूरत मेडिकल कालेज के वरिष्ठ चिकित्सक डा0 संतोष गुप्ता और डा0 राकेश शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के जनक डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर मार्ल्यापण कर किया गया, मंच पर आसीन विशिष्ठ अतिथि सूरत के नगर महापालिका के डिप्टी मेयर डा0 नरेन्द्र संतराम पाटिल, शिक्षा विभाग के पूर्व प्राचार्य डा0 सुन्दर सिंह चौहान आदि ने भी डा0 मैटी के चित्र पर पुष्पांजलि की, गुजरात के जिला अध्यक्ष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक निरंजन राम द्वारा भारत सरकार और गुजरात सरकार द्वारा समय समय पर जारी आदेशों की जानकारी देते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक उपचार की विशेषताओं को बताया, अन्त में डा0 सुन्दर सिंह चौहान ने कहा यदि सभी चिकित्सक भारत सरकार के आदेश दिनांक 25–11–2003 का अनुसरण करें तो किसी को कोई परेशानी नहीं होगी और समाज में सम्मान सहित प्रैक्टिस करते रहेगें जो पूर्ण रूप से वैध होंगें।

मेडिकल कालेज के वरिष्ठ चिकित्सक डा0 संतोष गुप्ता ने नव निर्वाचित को बधाई देते हुए वैधानिक संस्था तथा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की सही व पूर्ण जानकारी प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि यह चिकित्सा प्रणाली भी अपना विशेष महत्व रखती है अंत में पुनः नव निर्वाचित राज्य के चेयरमैन ई0एच0 डा0 अब्दुल रहमान खान ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी से गुजरात राज्य में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक को मजबूत करने की अपील की, अपनी स्थिति को व्यक्त करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में ई0एच0 डा0 आइसा रहमान खान, ई0एच0 डा0 राजेन्द्र पी पाटिल, दीपक अरूण पाटिल, सुनील वागह, जाकिर शैख, विजय कोष्टी, हरीश पटेल, वी के सिंह, छोटू पाटिल, विनोद माहेश्वरी, सूर्य कुमार चतुर्वेदी, अडवाणी शाहिद, प्रमोद बोरोले, सोहित पाटिल और विजय शर्मा आदि सहित सैकड़ों चिकित्सक ने अपनी उपस्थित दर्ज करायी।

डा0 नन्द लाल सिन्हा के जन्मोत्सव कार्यक्रम का कैमरा बना साक्षी

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की सेमेस्टर परीक्षायें 27 दिसम्बर से

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE,U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION DECEMBER 2025

Name of the course	27 th December, 2025 Saturday	29 th December, 2025 Monday	30 th December, 2025 Tuesday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy &Philosophy	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science
F.M.E.H. 3rd. Semester	Ophthalmology including E.N.T.	M. Jurisprudence & Toxicology	Dietetics
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynecology	Materia Medica	Practice of Medicine

Timing → 9:30 A. M. to 12:30 P. M.

Ateeq Ahmad
Examination Incharge

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा आयोजित **F.M.E.H.** सेमेस्टर की परीक्षायें आगामी 27 दिसम्बर 2025 से प्रारम्भ होंगी, सभी परीक्षायें एक पाली में आयेजित की जायेंगी जो प्रातः 9–30 बजे से 12–30 बजे तक होंगी, परीक्षाओं के समय बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा नियुक्त उड़न दस्तों द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्स्टीट्यूट/ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्स्टीट्यूट स्टडी सेन्टर्स/परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जायेगा एवं भौतिक सत्यापन भी किया जायेगा सभी अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र अपने–अपने केन्द्रों से दिसम्बर के तीसरे सप्ताह में प्राप्त कर सकते हैं यह जानकारी बोर्ड के परीक्षा प्रभारी डा0 अतीक अहमद ने गज़ट को दी। परीक्षा कार्यक्रम इस प्रकार है

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।